पीआरटीएस में वन विभाग का छह दिनी प्रशिक्षण शुरू

अधिकारी सीखेंगे साइबर टेक्नोलॉजी

दबंग रिपोर्टर ■ इंदौर

घने जंगलों में पेड़ों की अवैध कटाई तथा वन्य प्राणियों का शिकार करने वालों पर लगाम कसने वाले वन विभाग के अधिकारी अब साइबर सिक्युरिटी की एक हफ्ते की विशेष ट्रेनिंग लेंगे। पुलिस रेडियो ट्रेनिंग स्कूल (पीआरटीएस) में 19 जनवरी से वन्य अधिकारियों के लिए एडवांस साइबर सिक्युरिटी कोर्स शुरू हो गया है।

इसमें रेंजर सहित सहायक वन संरक्षक स्तर तक के अधिकारी प्रशिक्षण ले रहे हैं। पीआरटीएस द्वारा चलाए जा रहे ब्ल्यू पॉम साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण के तहत अब तक उच्च स्तर के 90 प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जा चुके हैं। इसमें तीन हजार पुलिस, अर्द्धसैन्यबल व भारतीय सेना के अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

देश में यह अपनी तरह का एकमात्र अभियान है। इसकी गुणवत्ता को देखते हुए पिछले दिनों मुख्य वन्य प्राणी अभिरक्षक एवं प्रधान मुख्य वनसंरक्षक नरेंद्र कुमार ने पीआरटीएस के निदेशक वरुण कपूर को पत्र लिखकर अपने अधिकारियों को साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान करने का अनुरोध किया था। इसके मद्देनजर सोमवार से यह कोर्स पीआरटीएस के प्रगति केंद्र में शुरू किया गया, जिसमें 19 अधिकारियों ने भाग लिया।

संस्था निदेशक व आईजी वरुण कपूर ने बताया वन्य अधिकारियों को आईटी एक्ट, सीडीआर एनालिसिस, जीपीएस का उपयोग, ई-मेल ट्रेसिंग, डिजिटल इंटेलिजेंस कलेक्शन, सोशल नेटवर्किंग, क्राइम मैनेजमेंट, वित्तीय अपराध आदि के संबंध में प्रशिक्षित किया जाएगा। इसमें पीआरटीएस के साथ अन्य संस्थाओं के विषय विशेषज्ञ भी प्रशिक्षण देंगे।

अन्य विभागों ने भी जताई इच्छा

कपूर के मुताबिक वन विभाग के साथ ही कृषि, मंडी बोर्ड एवं बीज निगम सहित प्रदेश के कई विभागों ने उनके अधिकारियों को प्रशिक्षण देने का अनुरोध किया है। अगले चरण में उन्हें ट्रेनिंग दी जाएगी। इससे अधिकारियों-कर्मचारियों की साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में दक्षता बढ़ेगी, जिसका सीधा लाभ आमजन को होगा। यह 91वां प्रशिक्षण कार्यक्रम है।

देश का सर्वोच्च पुरस्कार हासिल

तीन साल से पीआरटीएस ने प्रदेश ही नहीं, देशभर में साइबर सुरक्षा का प्रशिक्षण देने में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। इसके लिए उसे दिसंबर 2014 में देश का सर्वोच्च पुरस्कार डाटा सिक्युरिटी काउंसिल ऑफ इंडिया प्रदान किया जा चुका है। यह देश में सर्वश्रेष्ठ साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण प्रदान करने वाली संस्था मानी जाती है।